M.A. (Veda)		MVL-C102		Semester - I	
		'ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका' एवं वैदिक व्याकरण			
Total Lectures	Time Allotted for End Semester Examination	Marks Allotted for Internal Assessment	Marks Allotted for End Semester Examination (ESE)	Maximum Marks (MM)	Total Credits
92	3 Hrs.	30	70	100	92

नोट- इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे- अ और ब। खण्ड अ में दस लघु-उत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से पांच करने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। खण्ड ब में आठ दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से चार करने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न दस अंक का होगा। प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जायेगा।

Section A - स्वामी दयानन्दप्रणीत ऋग्॰भा॰भू॰ के निम्न प्रकरणों का अध्ययन-वेदोत्पत्ति, वेदानां नित्यत्व विचार, वेदविषयक विचार।

Section B - स्वामी दयानन्द प्रणीत ऋग्॰भा॰भू॰ के निम्न प्रकरणों का अध्ययन-वेदसंज्ञा-विचार, वेदोक्त धर्म, उपासना विषय।

Section C - स्वामी दयानन्द प्रणीत ऋग्॰भा॰भू॰ के निम्न प्रकरणों का अध्ययन-पुनर्जन्म, वर्णाश्रमविषय, पञ्जमहायज्ञविषय।

Section D - वैदिक व्याकरण के अन्तर्गत निम्न विषयों का अध्ययन- 1. संहितापाठ से पद पाठ बनाने के नियम, 2. क्रमपाठ के नियम, 3. विकृति पाठों का परिचय।

Section E - वैदिक व्याकरण के अन्तर्गत निम्न विषयों का अध्ययन- 1. वैदिक-लौकिक संस्कृत का अन्तर, 2. वैदिक भाषा की विशेषतायें, 3. उदात्तादि स्वरों का परिचय।

सहायक ग्रन्थ-

- ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती, सम्पा॰ आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।
- भूमिका भास्कर, स्वामी विद्यानन्द, आर्यन् फाउण्डेशन, मुम्बई।
- वेद-मीमांसा, स्वामी विद्यानन्द, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली।
- ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका का एक सरल अध्ययन, पं॰ विश्वनाथ विद्यालंकार, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली।
- पंचपाठ पौरुषाध्याय- डॉ. युगलकिशोर मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक व्याकरण, डॉ॰ रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली।
- सूक्तरत्न समुच्चय- गोपालचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन- दिल्ली